संगीता दाश

अकादेमी पुरस्कार : ओडिसी नृत्य

ओडिशा में कटक में 24 अप्रैल 1966 को जन्मी, श्रीमती संगीता दाश ने ओडिसी नृत्य में उत्कल संगीत महाविद्यालय, भुवनेश्वर में दुर्गा चरण रणबीर के अधीन और बाद में देबप्रसाद दास के अधीन प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपने चित्तरंजन पाणि के अधीन हिन्दुस्तानी संगीत में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है, और आपने दर्शनशास्त्र में एक निष्णात की उपाधि प्राप्त है।

आज श्रीमती संगीता दाश उस ओडिसी नृत्य शैली की एक प्रमुख निपुण कलाकार के रूप में जानी जाती हैं जिसके रचयिता उनके गुरु देबप्रसाद थे. और जिनके असामायिक निधन के पश्चात आपने इस नृत्य शैली का पूर्णतः विकास व प्रचार किया। आपने देश के विभिन्न प्रसिद्ध नृत्य समारोहों में प्रदर्शन किया है जैसे कोणार्क नृत्य महोत्सव; खजुराहो नृत्य महोत्सव; तिरुवनंतपुरम में सूर्या महोत्सव; चिदंबरम में नाट्यांजलि महोत्सव; भुवनेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय ओडिसी नृत्य महोत्सव; बेंगलुरू में नमन महोत्सव; और संगीत नाटक अकादेमी की नृत्य प्रतिभा, नृत्य संगम, और विभिन्न स्थानों के पुरस्कार समारोह. आपने अपने नृत्य प्रदर्शन के लिए नेपाल, बांग्लादेश, चीन, उत्तर कोरिया, जर्मनी, वेस्ट इंडीज, और संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश यात्रा की है. 1980 के दशक के मध्य तक, श्रीमती संगीता दाश ने अपने गुरु देबप्रसाद दास के साथ मिलकर काम किया और इस नृत्य शैली पर आपके व्याख्यानों में ओडिसी नृत्य के पहलूओं का प्रदर्शन किया. बाद में, आपने स्वयं व्याख्यान और प्रदर्शन प्रस्तुत किए और देश–विदेश में बहुत सी कार्यशालाओं का आयोजन किया. इनमें से कुछ कार्यक्रम सिंगापुर, बहरीन, फ्रांस, इटली, बेल्जियम और जर्मनी में आयोजित किए गए।

श्रीमती संगीता दाश सिनेमा जगत की एक कुशल अभिनेत्री भी हैं, और आपने 1980 के दशक में बहुत सी उड़िया और बंगाली फिल्मों में अभिनय किया है। इन फ़िल्मों में डोरा(1983), जय फूला(1983), स्कूल मास्टर(1984), बाजे बंसी नाचे घुंघरू(1985), बिधीरा बिधाना(1989), और कालिया भारसा(1990) शामिल हैं. उन्हें पाप पुण्य (1987) में निभाई आपकी भूमिका के लिए उड़ीसा सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग और सिने समालोचक एसोसिएशन की ओर से सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिल चुका है।

श्रीमती संगीता दाश को नृत्य में योगदान के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए है. जिसमें गुरु पंकज चरण दास फाउंडेशन, भुवनेश्वर द्वारा प्रदत्त महारी सम्मान (1998), संस्कृति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त संस्कृति सम्मान (1999), और उड़ीसा संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार (2003) शामिल हैं।

श्रीमती संगीता दाश को ओडिसी नृत्य में उनके योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।